

प्रेषक,

डॉ. भूपिन्दर कौर औलख,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
अल्पसंख्यक कल्याण,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

अल्पसंख्यक कल्याण अनुभाग

देहरादून:

दिनांक: 14 अक्टूबर, 2016

विषय: "अल्पसंख्यक विकास निधि" योजना के अन्तर्गत मूल्यांकन/अनुश्रवण समिति द्वारा संस्तुत प्रस्तावों की प्रशासकीय/वित्तीय स्वीकृति एवं व्यय की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1167/नि.अ.क./प्रस्ताव/2015-16, दिनांक 12.01.2016, पत्र संख्या-1255/नि.अ.क./घोषणा/2015, दिनांक 23.01.2016, पत्र संख्या-278/नि.अ.क./प्रस्ताव/2016-17, दिनांक 02.06.2016 की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल वित्तीय वर्ष 2016-17 में अल्पसंख्यक विकास निधि योजनान्तर्गत विगत वर्षों की अवशेष धनराशि ₹ 233.00 लाख के सापेक्ष संलग्न सूची में उल्लिखित 04 निर्माण कार्यों हेतु कुल ₹ 103.35 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करते हुए सूची के क्रमांक-3 व 4 में अंकित निर्माण कार्यों हेतु शासनादेश संख्या-98/XVII-3/2016-07(11)/2012, दिनांक 02.02.2016 के द्वारा पूर्व में स्वीकृत ₹ 8.00 लाख व ₹ 8.00 लाख, कुल 16.00 लाख को समायोजित करते हुए संलग्न सूची के अनुसार वित्तीय वर्ष 2016-17 में ₹ 58.31 लाख (₹ अठ्ठावन लाख इकतीस हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए नियमानुसार व्यय किये जाने की निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- 1- यह स्वीकृति अल्पसंख्यक विकास निधि संचालन नियमावली, 2012 के प्रस्तर-5(ग) के प्राविधानानुसार प्राप्त प्रस्तावों के सम्बन्ध में निर्णय लिए जाने हेतु सचिव, अल्पसंख्यक कल्याण, उत्तराखण्ड शासन की अध्यक्षता में गठित मूल्यांकन/अनुश्रवण समिति की दिनांक 05.08.2016 को आयोजित बैठक में की गई संस्तुति/निर्णय के क्रम में निर्गत की जा ही है, जिसका कार्यवृत्त शासन के पत्र संख्या: 1106/XVII-3/16-07(11)/2012, दिनांक 11.08.2016 द्वारा निर्गत किया गया है।
- 2- संलग्न सूची के क्रमांक-3 एवं 4 पर अंकित कार्यों का आगणन कार्यदायी संस्था 'उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन एवं विकास निगम' द्वारा गठित किया गया था, जिनके द्वारा सैंटेज चार्ज के रूप में 10 प्रतिशत की धनराशि का प्राविधान किया गया है। चूंकि जिलाधिकारी, देहरादून के पत्रांक दिनांक 30.03.2016 के द्वारा उक्त कार्य हेतु स्थानीय स्तर पर 'लघु सिंचाई विभाग' को कार्यदायी संस्था नामित किया गया है, जो पूर्णतः राजकीय विभाग होने के कारण उनको सैंटेज चार्ज देय नहीं है। अतएव उक्त दोनों कार्यों में सैंटेज चार्ज के रूप में प्राविधानित धनराशि की कटौती करते हुए संलग्न सूची के अनुसार कार्यों की प्रशासकीय एवं पूर्व में स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष अवशेष धनराशि की वित्तीय स्वीकृति निर्गत की जा रही है।
- 3- कार्य पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल के अंतर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
- 4- स्वीकृत धनराशि का आगणन एवं व्यय नियमानुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा एवं कार्य को निर्धारित समय सारिणी के अनुसार पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। किसी भी दशा में आगणन पुनरीक्षण पर विचार नहीं किया जायेगा। यदि उक्त कार्य विशेष से सम्बन्धित कोई जांच बिन्दु लम्बित हो तो निदेशालय स्तर से धनराशि प्रदान करते समय समाधान अवश्य कर लिया जाये अन्यथा की स्थिति में पूर्ण दायित्व निदेशालय का होगा।

- 5- वित्तीय स्वीकृति के आधार पर निर्माण संगठन/कार्यदाई संस्था द्वारा समस्त प्रक्रियात्मक कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जायेगा। तत्पश्चात् निर्माण संगठन/कार्यदाई संस्था द्वारा एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट विस्तृत आंगणन के आधार पर तैयार की जायेगी।
- 6- उक्त कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि उक्त कार्य हेतु किसी अन्य योजना/स्रोत से धनराशि स्वीकृत न की गयी हो। किसी प्रकार का दोहराव पाये जाने पर संबंधित जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी एवं कार्यदायी संस्था के अधिकारी पूर्णतः उत्तरदायी होंगे।
- 7- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक का व्यय कदापि न किया जाये।
- 8- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुये एवं लो0नि0वि0 द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- 9- परीक्षण के सन्दर्भ में नियोजन विभाग से समन्वय कर, परीक्षण सम्पन्न कराते हुए कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित की जायेगी एवं उक्त सम्बन्ध में होने वाला व्यय कार्यदायी संस्था को देय सेन्टेज चार्ज से वहन किया जायेगा। गुणवत्ता परीक्षण आख्या शासन को भी प्रेषित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
- 10- कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- 11- कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाए जितनी मदवार धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 12- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित किया जायेगा।
- 13- निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा विशिष्टियों के अनुरूप ही सामग्री प्रयोग में लायी जाय।
- 14- विस्तृत आगणन में प्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 15- स्वीकृत विस्तृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आगणन के प्राविधानों में परिवर्तन करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप में प्राप्त कर ली जाय।
- 16- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006), दिनांक 30.05.2006 में निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन किया जाना सुनिश्चित किया जाय।
- 17- आगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व Uttarakhand Procurement Rules, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 18- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय शासनादेश संख्या-98, दिनांक 02.02.2016 के द्वारा वित्तीय वर्ष 2015-16 में अल्पसंख्यक विकास निधि योजनान्तर्गत स्वीकृत ₹ 300.00 लाख की धनराशि के सापेक्ष अवशेष धनराशि से वहन किया जायेगा।
- 19- यह आदेश वित्त अनुभाग-3 के अ0शा0 संख्या: 89/XXVII(3)/2016-17, दिनांक 22 सितम्बर, 2016 के द्वारा प्राप्त सहमति के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न : सूची।

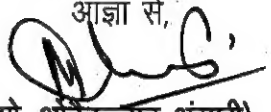
भवदीय,

(डॉ. भूपिन्दर कौर औलख)
सचिव।

संख्या : 1475 (1)/XVII(3)/2016, तददिनांकित।

प्रतिलिपि : निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून।
2. महालेखाकार, ऑडिट, उत्तराखण्ड, इन्दिरा नगर, देहरादून।
3. अपर सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय अनुभाग-4 (घोषणा अनुभाग), उत्तराखण्ड शासन।
4. जिलाधिकारी, देहरादून।
5. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, लक्ष्मी रोड, देहरादून।
6. मुख्य कोषाधिकारी/वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
7. जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, देहरादून।
8. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
9. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 12. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून।
13. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(मो. अब्दुल्लाह अंसारी)
अनु सचिव।

(धनराशि ₹ लाख में)

क्र. सं.	जनपद का नाम	कार्यदायी संस्था	कार्य का विवरण	कार्यों की विभागीय टी.ए.सी. उपरान्त औचित्यपूर्ण लागत/ प्रशासकीय स्वीकृति	वित्तीय वर्ष 2016-17 में कार्यों की वित्तीय स्वीकृति
1	2	3	4	5	6
1-	देहरादून	सिंचाई विभाग।	सा. मुख्यमंत्री घोषणा संख्या-2075/2015 "ग्राम व्यास नहरी अल्पसंख्यक बस्ती के सामुदायिक भवन का जीर्णोद्धार किया जाएगा" का क्रियान्वयन।	24.03	15.00
2-	देहरादून	ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा विभाग।	सा. मुख्यमंत्री घोषणा संख्या-2490/2015 "ग्राम ढाकी के इर्दगाह की चारदीवारी बनवायी जाएगी" का क्रियान्वयन।	13.31	13.31
3-	देहरादून	उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन एवं विकास निगम द्वारा गठित आगणन पर स्थानीय स्तर पर लघु सिंचाई विभाग।	जनपद देहरादून के विधानसभा क्षेत्र विकासनगर के सिख समुदाय के गुरुद्वारा भवन के प्रांगण में टिन शेड निर्माण कार्य लागत ₹ 32.57 लाख (₹ 35.80 लाख - 10 प्रतिशत सैंटेज चार्ज की धनराशि ₹ 3.23 लाख) के सापेक्ष पूर्व में स्वीकृत धनराशि ₹ 8.00 लाख को समायोजित करते हुए धनराशि की स्वीकृति।	32.57	15.00
4-	देहरादून	उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन एवं विकास निगम द्वारा गठित आगणन पर स्थानीय स्तर पर लघु सिंचाई विभाग।	जनपद देहरादून के विधानसभा क्षेत्र विकासनगर के इसाई समुदाय के चर्च प्रांगण में शादी, विवाह व अन्य कार्यक्रम हेतु टिन शेड निर्माण कार्य लागत ₹ 33.44 लाख (₹ 36.75 लाख - 10 प्रतिशत सैंटेज चार्ज की धनराशि ₹ 3.31 लाख) के सापेक्ष पूर्व में स्वीकृत धनराशि ₹ 8.00 लाख को समायोजित करते हुए धनराशि की स्वीकृति।	33.44	15.00
योग-				103.35	58.31

(₹ अठ्ठावन लाख इकतीस हजार मात्र)

(मो. अब्दुल्लाह अंसारी)
अनु सचिव।